प्रगति ग्रामीण विकास संस्था

बैतूल

वार्षिक रिपोर्ट

1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था, बैतूल जिले के भीमपूर ब्लॉक के ग्राम पीपलढाना, झापल, भाण्डवा, मानकदण्ड और सिगांरचावड़ी में रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट के साथ **बालिका षिक्षा कार्यक्रम** चला रहीं है। भीमपुर विकास खण्ड के ये गांव पिछड़े, ग्रामीण, और आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है जिस कारण से यहां पर निवास करने वाले परिवारों के बच्चे जानकारी के अभाव के कारण से शिक्षा से बहुत दूर है, मूलतः यहां पर बालिका शिक्षा में अधिक कमी है। ये ग्राम मुख्यतः बैतूल जिला मुख्यालय से लगभग 65 कि.मी. की दूरी पर स्थित है और इसके अलावा यह क्षेत्र पहाड़ी, पथरीला और बंजर है इस कारण से यहां के निवासी केवल बारिष के दिनो में होने वाली फसल का उत्पादन ही ले पाते है और बाकि समय में काम करने के लिये इन परिवारो के सदस्यों को बाहर जाना पढ़ता है।

इन ग्रामों में लड़को की षिक्षा पर अधिक महत्व दिया जाता है, परन्तु इन क्षेत्रों में निवास करने वाले परिवारो के लड़के भी घर की आर्थिक परिस्थिति कमजोर होने के कारण से अधिक नही पढ़ पाते है और बालिकाओं को घर के काम के अलावा खेतों में भी काम करने के लियें जाना पड़ता है जिससे बालिकाओं का भविष्य अंधकारमय था। इस प्रकार के वातावरण में बालिकाओं के हाथ में काम की जगह किताबें देना और बालिकाओं के भविष्य को अंधेरे से बाहर निकालना एक कठिन कार्य था। इस प्रकार के कार्य को सफल बनाना रूम टू रीड इण्डिया ट्रस्ट द्वारा चलाये जा रहे ''बालिका षिक्षा कार्यक्रम'' से हो रहा, जिसका संचालन प्रगति ग्रामीण विकास संस्था द्वारा भीमपुर विकास खण्ड के पाँच ग्रामों में किया जा रहा। जिसका लाभ इन ग्रामों की 159 बालिकाओं को मिल रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ना और उनका सर्वांगीण विकास करना है।

परियोजना	बैतूल जिले का भीमपुर विकास खण्ड
चयनित ग्राम	पीपलढाना, भाण्डवा, सिंगारचावड़ी, मानकदण्ड और झापल

क्र.	**विवरण**	**संख्या**
1	सहयोग की जाने वाली बालिकाओं की संख्या	159
2	माह 01 जुलाई, 2015 से सहयोग करने वाली बालिकाओं की संख्या	109
3	माह जनवरी, 2016 से सहयोग करने वाली बालिकाओं की संख्या	107

जीवन कौषल सत्र

जीवन कौषल षिक्षा से 159 छात्राओं को किताबी शैक्षणिक ज्ञान के साथ साथ जीवन के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं से जुड़ी व्यवहारिक जानकारी उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया, जिसमें छात्राओं को सामाजिक संबंधों की महत्ता, ग्राम परिवेष अर्थात पंचायतीराज में महिलाओं की भूमिका का महत्व, सफल जीवन के लिये शिक्षा अर्जन और उसकी उपयोगिता आजीविका व नौकरी के लिये षिक्षा की अनिवार्यता व शत प्रतिषत प्रयास करना, बेहतर स्वास्थ्य के जरिये पढ़ाई को और बेहतर करने के नुस्खे, किषोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण में चुनौतियाँ व सावधानियाँ, षिक्षा के अर्जन के साथ साथ जीवन का लक्ष्य तय करना व उसको प्राप्त करने के लिये रणनीति बनाना व सदैव प्रयासरत रहना है। सत्र लक्ष्य निर्धारण करना, षिक्षा और करियर के प्रति समझ–बूझ कर निर्णय लेना कक्षा तथा 11वी बालिकाओं के स्वास्थ्य पर परमपरागत प्रथाओं का असर, बालिकाओं के स्वास्थ्य पर परमपरागत प्रथाओं का असर, तनाव से निपटना, एवं कक्षा 12 वी में तनाव से निपटना सत्र कराये गये ।

जुलाई से सितम्बर, 2015 तक की गतिविधियॉ :– कक्षा 10 वी एवं 11 वी की बालिकाओं के स्वास्थ्य पर परम्परागत प्रथाओं का असर, किशोर और नशीले पदार्थो का सेवन, यौन हमला/यौन शोषण को समझना, कक्षा 12वी तनाव से निपटना की गतिविधि कराई गई । **अक्टूबर, से दिसम्बर, 2015 तक की गतिविधियॉः–** कक्षा 10 वी एवं 11 वी की बालिकाओं महिलाओं एवं बालिकाओं के खिलाफ हिंसा, अपने लक्ष्य को पाने के लिए योजना,तथा 12 वी बालिकाओं को तनाव से निपटना, एच. आई. वी. की परिभाषा के सत्र कराये गये ।

नियमित ट्यूषन

सहायक षिक्षण केन्द्र पीपलढाना, भाण्डवा, झापल, सिंगारचावडी और मानकदण्ड में वेरीएषन 02 की 109 छात्राओं को नियमित अध्यापन कराया जाता है। अध्यापन में मुख्यतः हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान, अर्थषास्त्र, समाजषास्त्र, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी विज्ञान और विज्ञान में छात्राओं को जिन प्रष्नों को समझने व हल करने में समस्या आती है उन प्रष्नों को सहायक षिक्षण केन्द्र में समझाने व हल कराने का कार्य किया जाता है। उपरोक्त ग्रामो में षिक्षा की विषेष सुविधा नही होने के कारण से सभी छात्राओं को गणित, अंग्रेजी और विज्ञान विषय में परेशानी आती है। जिसे सहायक षिक्षण केन्द्रो के माध्यम से हल किया जाता है।

वेरीएषन 02 की 109 छात्राओं का अलग–अलग कक्षा के समूह बनाकर छात्राओं का अध्ययन कराया जाता है। छात्राएॅ जब समूह में अध्ययन करती है तो वे प्रतिदिन अपने मन पंसद विषय का अध्ययन करती है जो छात्राओं की पढ़ने की रूचि को बढ़ाने में मदद करता हैं। पॉचों सहायक षिक्षण केन्द्र में अध्ययनरत छात्राओं का विवरण निम्नानुसार है

क्र.	सहायक षिक्षण केन्द्र	छात्राओं की संख्या
1	पीपलढाना	18
2	भाण्डवा	30

3	झापल	17
4	मानकदण्ड	14
5	सिंगारचावड़ी	30
योग		**109**

पालक बैठक

❖

पालक अपनी बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर के बारे मे जान पाये तथा उनके स्तर को सुधारने पालको को स्कूल से जोड़ने व सकरात्मक सोच रखने वाले पालको का पता लगाने के लिए, पर्यावरण संबंधी चर्चा, ड्राप आउट छात्राओं के होने के कारण पर चर्चा के लिए तथा छात्राओं की शाला में उपस्थिति के बारे में चर्चा करने के लिये छात्राओं के माता–पिता के साथ में त्रैमासिक बैठक रखी जाती है जिसमें पालको को स्कूल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया व सकारात्मक सोच के साथ में छात्राओं के स्वास्थ्य से जुड़ी बातो पर भी चर्चा की जाती है तथा उनके भविष्य के लिये भावी योजनाओं के बारे में जानकारी दी जाती है।

- ❖ पालको से छात्राओ की पढ़ाई को लेकर चर्चा की गयी।
- ❖ पालको से पढ़ाई के समय छात्रा को काम व महेमान न भिजवाने के लिए कहा गया ।
- ❖ ड्राप आउट छात्राओं के होने के कारण पर चर्चा की गयी ।
- ❖ छात्राओं के रिजल्ट खराब होने के कारण पर चर्चा ।
- ❖ छात्राओं को पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय देने पर चर्चा ।
- ❖ छात्राओं को पढ़ाई के समय काम न करवाने पर चर्चा ।
- ❖ छात्राओं को नियमित स्कूल व नियमित ट्यूषन भिजवाने पर चर्चा ।
- ❖ पालको को समय–समय पर स्कूल जाने पर चर्चा।

पालको द्वारा कहा गया की अब से हम अपने बच्चों की पढाई का पूरा ध्यान रखेगे, हम उन्हें काम करने के लिए बाहर नही भिजवयेगे, पढ़ाई के समय कही महेमान नही जाने देगे, हम उन्हें पढ़ाई के समय घर पर भी काम से नही लगायेगे, पर्याप्त समय पढ़ाई के लिए देगे, नियमित रूप से स्कूल व ट्यूशन भिजवायेगे व हम भी समय–समय पर स्कूल जाकर अपने बच्चों की जानकारी लेगे।

पालको द्वारा कहा गया की अब से हम अपने बच्चों की पढाई का पूरा ध्यान रखेगे, हम उन्हें काम करने के लिए बाहर नही भिजवयेगे, पढ़ाई के समय कही महेमान नही जाने देगे, हम उन्हें पढ़ाई के समय घर पर भी काम से नही लगायेगे, पर्याप्त समय पढ़ाई के लिए देगे, नियमित रूप से स्कूल व ट्यूषन भिजवायेगे व हम भी समय–समय पर स्कूल जाकर अपने बच्चो की जानकारी लेगे।

पालक प्रषिक्षण :–रूम टू रीड के गर्ल्स एजुकेषन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल द्वारा वर्ष 2015 की तृतीय तिमाही अगस्त 2015 के दौरान पालकों का प्रशिक्षण (उन्मुखीकरण) का आयोजन ग्राम स्तर पर किया गया। जिसमें सिंगारचावड़ी 79 पालक, भाण्डवा में 52 पालक कुल पालक 131 उपस्थित थे। क्रमषः दोनों दिन कार्यक्रम की शुरूवात प्रातः 10.00 बजे से की गई। संस्था संचालक श्री प्रमोद नाईक द्वारा सभी पालकों को रूम टू रीड के गर्ल्स एजुकेषन कार्यक्रम की महत्ता बताते हुये उद्देश्यों की जनकारी देकर पालक प्रषिक्षण को किये जाने की अनिवार्यता व उसके उद्देष्यों की जानकारी देकर पालक प्रषिक्षण को किये जाने की अनिवार्यता व उसके उद्देश्यों के बारे में बताकर छात्राओं के शैक्षणिक भविष्य के परिप्रेक्ष्य में इस तरह के प्रशिक्षणों को किये जाने की सरल व उपयोगी जानकारी दी गयी, जिसमें नाईक सर आपके गॉव में 2007,2008 और 2010 से शुरू हुआ हैं। जिसमें छात्राऍ लाभ ले

रही है। इस वर्ष का रिजल्ट खराब होने के कारण और 46 छात्राऐं कार्यक्रम से ड्रापआउट हुई है। रिजल्ट को सुधारने के लिए हमें मिल कर काम करना होगा। उनके स्कूल एवं ट्यूशन सेंटर में क्या पढ़ाया जा रहा उसका निरिक्षण करना होगा। छात्राऍ नियमित घर पर पढाई कर रही है या नही। पालको से छात्राओं पर ध्यान देने को कहा, उन्हें पढ़ाई के लिए समय देने के लिए कहा, उनसे अधिक काम न करवाने के लिए कहा, पालको से छात्राओं के शैक्षणिक स्तर की जानकारी दी प्रत्येक छात्राओं के पालकों को छात्राओं की फाईले दिखाई गयी उनके कमजोर विषय कौन से है बताया गया।

पालकों की एक–एक समिति प्रत्येक सेंटर पर बनाई गई जों ट्यूषन सेंटर का निरीक्षण करेगी सेंटर नियमित चल रहा है या नही क्या पढ़ाया जा रहा है छात्राए नियमित ट्यूषन आ रही है या नही जो छात्राएं ट्यूषन नियमित नही आ रही है उनके पालकों से मिलकर छात्रा को नियमित ट्यूषन व स्कूल भिजवाने के समझाने के लिए कहा गया छात्राओं को स्कूल में किन–किन समस्याओं का सामना करना पड रहा है पर्याप्त षिक्षक है या नही इस बारे में आप स्कूल के प्राचार्य से चर्चा कर सकतें हैं स्कूल की अधिक दूरी होने पर छात्राओं को होने वाली असुविधा को दूर करने के लिए हमें अपने गाव में स्कूल खुलवाने का प्रयास करने को कहा गया।

पालकों से बालिका षिक्षा कार्यक्रम जिसमें छात्राओं के भविष्य हेतु षिक्षा का महत्व, कम्प्यूटर व अन्य तकनीक षिक्षा, औद्योगिक षिक्षा, जीवन कौशलों की उपयोगिता, विभिन्न शासकीय नौकरियों के लिये छात्राओं की आवष्यक व अनिवार्य षिक्षा में पालकों का योगदान क्या होना चाहिये? किस तरह पालक अपनी बच्चियों को उच्च शिक्षा अर्थात कॉलेज, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान व कम्प्यूटर षिक्षा संस्थानों से छात्राओं के बल पर नौकरी प्राप्त करने में छात्राओं की मदद करके अपने पालक होने का कर्त्तव्य पूरा करने व फर्ज निभाने की प्रेरणा दी गयी, जबकि स्त्रोत व्यक्ति द्वारा आई.टी.आई. में छात्र छात्राओं को पढ़ाये जाने वाले तकनीक विषयों इलेक्ट्रिषियन, फिटर, टर्नर, वेल्डर, कारपेंटर, कम्प्यूटर एप्लीकेषन, शार्टहैंड आदि के साथ विभिन्न कालेज कोर्से के बारे में सरल व विस्तृत जानकारी दी गयी।

बाल केबिनेट बैठक

सभी सहायक शिक्षक केन्द्रों पीपलढाना, मानकदंड, सिंगारचावड़ी, झापल और भाण्डवा मे बाल केबिनेट बैठक आयोजन किया गया जिसमें छात्राओ का

गठन किया गया तथा सभी सेंटरो में गपषप मे आये परिवर्तन के बारे में जानकारी दी गयी व पत्र किस तरह लिखा जाता है उन्हें बताया गया छात्राए बुलबुली दीदी से बहुत खुष है। मेरी किताब के बारे मे छात्राओं से चर्चा

की गयी। दीवार अखबार की थीम चुनकर दीवार अखबार बनाये गये। दीवार अखबार चौराहो व ग्राम मे लगाये गये,गाव के लोगो द्वारा छात्राओं से दीवार अखबार के बारे में पूछा गया छात्राओं ने विस्तार से दीवर अखबार के माध्यम से दी गयी जानकारी के बारे में गावो के लोगो को बताया गया व ग्राम सभा के दिन भी छात्राओं ने ग्राम पंचायत मे दीवार अखबार लगाकर स्वच्छता के बारे में ग्राम सभा में आये लोगो को जानकारी दी गयी। एवं छात्राओ द्वारा सरपंच व सचिव को अपने ग्राम में स्कूल खुलवाने के लिए ग्राम सभा में आवेदन दिया गया। छात्राओ द्वारा 15 अगस्त के दिन

स्कूल की स्वच्छता का अभियान चलाया गया , स्वच्छता व पर्यावरण के बारे ग्राम के लोगो को समझाया गया, छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया ।

स्कूल फीस

सभी सहायक षिक्षक केन्द्रों पीपलढाना, मानकदंड, सिंगारचावड़ी, झापल और भाण्डवा मे कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की रूम–टू–रीड से जुड़ी छात्राओ को स्कूल में सम्मिलित होने के लिये स्कूल फीस दी गई। स्कूल फीस जमा होने से छात्राओं के परिवार के लोग खुष हुये और उनका आर्थिक भार भी कम हुआ।

परीक्षा फीस :

सभी सहायक शिक्षक केन्द्रों पीपलढाना, मानकदंड, सिंगारचावड़ी, झापल और भाण्डवा मे कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की रूम–टू–रीड से जुड़ी छात्राओ को स्कूल में सम्मिलित होने के लिये स्कूल फीस दी गई। स्कूल फीस एवं परीक्षा फीस जमा होने से छात्राओं के परिवार के लोग खुश हुये और उनका आर्थिक भार भी कम हुआ।

सामग्री वितरण

सभी सहायक शिक्षक केन्द्रों पीपलढाना, मानकदंड, सिंगारचावड़ी, झापल और भाण्डवा मे कक्षा 10वीं, 11वीं एवं 12वीं की रूम–टू–रीड से जुड़ी छात्राओ को सामग्री वितरण किया गया। जिसमे रस्टिर, विज्ञान कापी, रफ कापी, प्रोजेक्ट फाईल, प्रायोगिक रजिस्टर, पेन्सिल, रबर, कटर, पेन, स्केल आदि का वितरण किया गया छात्राओ के घर की आर्थिक परिस्थिति खराब होने के कारण उन्हें पढ़ाई में समय पर सामग्री उपलब्ध नही हो पाती है। सभी छात्राए सामग्री वितरण से खुष है छात्राओ द्वारा कहा गया समय से सामग्री मिलने से हम लोग समय से अपना कार्य कर सकते हैं।

ओरिएन्टेषन मीटिंग

ओरिएन्टेशन मीटिंग का आयोजन दिनांक 22.09.2015 से 24.09.2015 तक समर्थन सेंटर भोपाल में किया गया। ओरिएन्टेषन मिटिंग मे रूम टू रीड इंडिया से जुड़ी म.प्र. की पाचॅ संस्थाओं ने भाग लिया। जिसमे प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल की एक सोशल मोब्लाईजर और एक सी. सोषल माब्लाईजर सहित चारः संस्थाओ के प्रोग्राम कॉडीनेटर और सोषल मोब्लाईजर सम्मिलित हुई। ओरिएन्टेशन मिटिंगमे रूम टू रीड भोपाल की इंदु मेडम, प्रभात सर उपस्थित थे। ओरिएन्टेषन मिटिंग में इन्दु मेडम और प्रभात सर ने सभी सहभागियों का स्वागत किया तथा मीटिंग के तीन दिवसी रूपरेखा के बारे में बताया। मिटिंग में एस.एम.डायरी, कोहार्ट रिस्क फार्मेट, प्रजेंटेषन, ड्राप आउट के कारणो पर चर्चा, उसे रोकने के लिए हमे क्या करना होगा इस पर समूह वर्क किया गया। मासिक व त्रैमासिक रिर्पोट पर विस्तार से चर्चा की गयी। स्टेट आफिस का जनवरी से सितम्बर का प्रजेन्टेशन प्रभात सर द्वारा किया गया। सभी को संस्थागत प्लान बनाने को कहा गया। तीनो दिन का फिडबेक लिया गया व इस दिन का समापन किया गया।

त्रैमासिक मूल्यांकन

सभी सहायक षिक्षण केन्द्रों में गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, हिन्दी, सामाजिक विज्ञान, अर्थषास्त्र, समाजषास्त्र, राजनीतिषास्त्र, जीवविज्ञान, रसायनविज्ञान और भौतिक विषय की मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन किया गया है जिसमे सभी सहायक शिक्षण केन्द्र की छात्राओं का मुल्यांकन लिया जाता है। जिससे छात्राओं मुल्यांकन के दौरान जिन प्रष्नो को हल नही कर पाती है उन्हें पुनः हल करवाने का मौका मिल जाता है। जिससे छात्राओं में आगे अच्छे अंको से उत्तीर्ण होने की संभावना बनी रहती है। मुल्यांकन परीक्षा का आयोजन करने से छात्राओं के कमजोर विषय की जानकारी मिल जाती है। जिससे छात्राओं को पढ़ाने में मदद मिलती है।

रिव्यु मिटिंग

रिव्यु मीटिंग का आयोजन दिनांक 19.05.2015 से 21.05.2015 तक समर्थन सेंटर भोपाल में किया गया। प्रथम दिवस पालको के साथ की जाने वाली पहल व सकारात्मक डेरिवेंस पर चर्चा, सकारात्मक डेरिवेंस का फार्मेट तैयार करवाया गया। **द्वितीय दिवस**– जी.ई.पी. प्रोग्राम व स्कूल में अंतर,फेसीलेटर होना, एक्टीवीटी, लक्ष्य र्निधारण करने पर चर्चा, व फार्मेट बनवाया गय **तृतीय दिवस** – अरविन्द सर द्वारा जीवन कौशल की गुणवत्ता व दस्तावेजीकरण के बारे में चर्चा की गयी व एक्सल शीट और बजट शीट किस तरह तैयार करना है समझाया गया व तीनो दिन का फिडबेक लिया गया व इस दिन का समापन किया गया

जीवन कौषल ट्रेनिंग

जीवन कौषल ट्रेनिंग का आयोजन दिनांक 08.06.2015 से 13.06.2015 तक समर्थन सेंटर भोपाल में किया गया। जीवन कौशल ट्रेनिंग मे रूम टू रीड इंडिया से जुड़ी म.प्र. की पाच संस्थाओं ने भाग लिया। जिसमे प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल की दो सोषल मोब्लाईजर और एक सी. सोषल माब्लाईजर सहित चारः संस्थाओ के प्रोग्राम कॉडीनेटर और सोषल मोब्लाईजर सम्मिलित हुई। जीवन कौषल ट्रेनिंग मे रूम टू रीड भोपाल की श्री अरविंद जी, इंदु मेडम, प्रभात सर उपस्थित थे। जीवन कौषल ट्रेनिंग में चुनौतियॉ, जीवन कौषल शिक्षा क्यो जरूरी है पर चर्चा, जीवन कौषल माड्यूल के बारे में चर्चा, लक्ष्य का र्निधारण करना, उचित जीविका का चुनाव, ध्यान केन्द्रित करना, तनाव से पार पाना, अच्छे पोषण की जरूरत , समय प्रबंधन सीखना । बालिकाओं के स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली परमपरागत प्रथाए, सही खान–पान, सामुदायिक स्वास्थ्य अच्छे स्वास्थ्य व्यवहार के बारे मे समझ, बेहतर रिस्तो की ओर बढ़ना, मतभेद से निपटना, भावनात्मक विकास और समझदारी । उचित जीविका चुनना, जो नषीलें पदार्थों का सेवन, जो यौन हमला/यौन शोषण, जेन्डर, महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति हिंसा ।

विडियो दिखाकर जेन्डर पर चर्चा की गयी,जेन्डर व सेक्स के बीच मे अन्तर पर चर्चा,गपषप, वालमेकजीन, व खाना व मीहीर की कहानी बतायी गयी । कौषल सत्र एवं वालमेग्जीन, गपषप, मेरी किताब का प्लान बनाने को कहा गया व इस दिन का समापन किया गया ।

आर्डिट

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल में आर्डिट दो दिवसीय 22 जून से 23 जून तक किया गया जिसमें प्रिंस जैन, कार्तिक मयन, रवि कुमार उपस्थित हुए।संस्था प्रमुख प्रमोद नाईक जी, एकाउण्टेंट, सी.एस.एम., एस.एम आदि उपस्थित थे। जुलाई 2014 से जून 2015 तक के दस्तावेज की जॉच की गई।

गृह भ्रमण

रूम टू रीड के बालिका षिक्षा कार्यक्रम से जुड़ी बालिकाओं कें गृहों का भ्रमण भी समय–समय पर किया जाता है। जिससें पालकों कों छात्राओं की उपलब्धियों सें अवगत कराया जाता है और छात्राओं की समस्या भी बतायी जाती है। अगर छात्रा स्कूल एवं ट्यूषन सेंटर नहीं जाती हैं तों छात्राओं के घर जाकर पूछा जाता है कि वह क्यों नहीं आ रही हैं, पालक द्वारा उसका कारण बताया जाता है। पालकों सें कहा जाता हैं कि आप अपनी बालिकाओं कों नियमित ट्यूषन सेंटर भेजें जिससें वें अपनी पढ़ाई कों नियमित रूप सें कर सकें।

फिल्ड विजिट

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था के अंर्तगत भीमपुर विकास खण्ड के अर्न्तगत पाचो सेन्टर में रूम टू रीड के अर्न्तगत जो सुविधाएँ दी जा रही है उनसे संबंधित चर्चा करने के लिए दिल्ली से आए दिलेष सर व प्रभात सर द्वारा फिल्ड विजिट की गयी ।

फिल्ड विजिट

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था के अंर्तगत भीमपुर विकास खण्ड के अर्न्तगत दो सेन्टर सिंगारचावड़ी, भाण्डवा में रूम टू रीड के अर्न्तगत श्री अरविंद जी, इन्दू मेडम, प्रभात सर व साथ मे संस्था प्रमुख श्री प्रमोद नाईक द्वारा फिल्ड विजिट की गयी।

जिसमें छात्राओ से मिलकर षिक्षा संबंधी चर्चा, केरियर को लेकर चर्चा,की गयी है

श्री अरविंद जी ने छात्राओं को कहानी के माध्यम से शिक्षा के महत्व को समझाया। छात्राओ को अपना लक्ष्य तय करने के लिए मेहनत करने को कहा गया।

संस्था कार्यकताओं की मासिक बैठक –

बालिका षिक्षा कार्यक्रम की सम्पूर्ण जानकारी तथा माह में किये गये कार्य, काम करते समय कार्यक्षेत्र पर आई परेषानी और परेषानी से निपटने के लिये लिये क्या रणनीति अपनाई गई इसके बारे में चर्चा करने के लिये संस्था के कार्यालय में मासिक बैठक आयोजित की जाती है। इसके साथ में अन्य बिन्दुओं पर भी चर्चा की जाती है ।

1. पिछले माह के कार्यो पर विचार–विमर्ष किया गया जिसमें पिछले माह निर्धारित किए गए लक्ष्यगत कार्यो पर समीक्षात्मक चर्चा की गयी।
2. जी.ई.पी. की ड्राप आउट छात्राओं से एवं उनके पालकों से सतत् समर्पक स्थापित कर उन्हें षिक्षा से जोड़े रखने का प्रयास किया जाना जरूरी है पर चर्चा।

3. अंग्रेजी एवं गणीत विषय छात्राओं का कमजोर होने के कारण इसी विषय के या विज्ञान विषय के षिक्षको की नियुक्ति पर चर्चा।
4. गर्ल्स एजुकेषन प्रोग्राम से पास आउट छात्रा ''कुशल छात्रा'' को कार्यक्रम की
   अन्य छात्राओं के षिक्षण लाभ के लिए कार्यक्रम से जोड़े जाने और उसकी अंषकालीन सेवा लेने पर चर्चा, जीवन कौषल सत्र के बारे में चर्चा ।
5. पास–आउट छात्राओं पर सत्त निगरानी रखना जिससे वे उच्च षिक्षा व बेहतर रोजगार से जुड़ सके पर चर्चा।
6. पास–आउट छात्राओं के साथ माह जुलाई 2015 मे मीटिंग करने का निष्चय किया।
7. सामग्री वितरण पर चर्चा, नियमित ट्यूषन पर चर्चा ,छात्राओं की स्कूल में उपस्थिति पर चर्चा, लक्ष्य पर काम करने पर चर्चा ,सामग्री वितरण पर चर्चा ,उपलब्धि और चुनौतियों पर चर्चा।

उपलब्धियां

- ❖ पालक अब अपनी छात्राओं को नियमित ट्यूषन व स्कूल भेजते हैं।
- ❖ कक्षा 12 वी की 35 छात्रायें उत्तीर्ण हुई ।
- ❖ कक्षा 11 वी से 9 छात्रायें उत्तीर्ण हुई ।
- ❖ कक्षा 10 वी की 39 छात्रायें उत्तीर्ण हुई ।
- ❖ सकारात्मक पालक की केस स्टडी शेयर करने दूसरे पालको मे भी बदलाव आये है ।
- ❖ जीवन कौषल सत्र के बारे में छात्राओं की समझ बन रही है।
- ❖ छात्राओं की स्कूल में उपस्थिती बढ़ी हैं।

- ❖ छात्राओं को पालको द्वारा पलायन पर कम मात्रा में भिजवाया जा रहा हैं।
- ❖ दीवार अखबार के माध्यम से छात्राए अपनी समस्या को समुदाय तक पहुचाने लगी है एवं दीवार अखबार के माध्यम से अपने स्कूल में समय का सद्उपयोग किस तरह किया जाना चाहिए संदेष दिया गया।
- ❖ गपषप के माध्यम से केरियर एवं वित्तीय साक्षरता के बारे में दिषा र्निदेष मिले।

चुनौतियॉ

- ❖ आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण छात्रायें काम पर जाती है।
- ❖ स्कूल की दूरी अधिक होने के कारण छात्रायें पढ़ाई के लिए घर एवं सहायक षिक्षण केन्द्र में अधिक समय नही दे पा रही हैं। जिससे उनकी पढ़ाई बाधित हो रही हैं,एवं उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पढ़ता हैं।
- ❖ जीवन कौषल सत्रों को समझने के बाद भी छात्रायें भूल जाती है।
- ❖ जीवन कौषल सत्रों में कई छात्राऍ झिझक के कारण नही बोल पाती है।
- ❖ कार्यक्षेत्र एवं कार्यालय के बीच की दूरी अधिक होने के कारण एवं संचार की सुविधा नही होने के कारण बहुत परेषानी होती है।
- ❖ गृह भ्रमण के दौरान पालक समय पर नही मील पाते हैं।
- ❖ छात्राओ को समाचार पत्र–पत्रिकाएं उपलब्ध नही हो पाती हैं जिसमें वें पत्र–पत्रिका की कटिग को समझ नही पाती है।
- ❖ छात्राए अपना स्वमूल्यांकन करने वाली गतिविधियॉ ठीक तरह से नही कर पाती है।
- ❖ कार्यक्षेत्र एवं कार्यालय के बीच की दूरी अधिक होने के कारण एवं संचार की सुविधा नही होने के कारण बहुत परेषानी होती है।
- ❖ अंग्रेजी एवं गणित विषय में छात्राओं को बहुत अधिक कठिनाई होती है ।

द्वितीय तिमाही (अप्रेल से जून) की गतिविधियां

<u>द्वितीय तिमाही की गतिविधियां</u> :–

गतिविधि का नाम :– जमीन अधिकार पर बैठक ,आयोजन दिनांक :– 28 मई 2015, स्थान :–क्षेत्र के गॉव

स्त्रोत व्यक्ति :–जिला समन्वयक

उददेष्य :–अभियान क्षेत्र में षासकिय जमीन पर कब्जे वाले परिवारो को चिन्हीत करना, कब्जे वाले लोगो को पट्टे मिलें, समुदाय का संसाधनो तक पहुॅच बने। दलित समाज को जमीन के पट्टे मिले,आवासीय जमीन के दावा और आवेदन लगे।
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बलक	बलिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
12	17					29

परिणाम :– 710 एकड जमीन पर कब्जा है। जमीन का पर खेती हो रही है। हर साल जुर्माना भरा जा रहा है। पुनिया बाई की 3 एकड जमीन को सरकारी बनाने से कलेक्टर ने मना किया है । युवा मन लगा कर खेती मे हाथ बटा रहे है। 517 आवासिय पट्टे के आवेदन लगे,127 मुख्यमंत्री आवास निर्माण हुए।

समुदाय स्तर पर हुयें विषेष बदलाव :–समुदाय के लोग रोजगार से जुडने लगे और जमीन पर खेती रूची से करते है।

तृतीय तिमाही (जुलाई से सितम्बर) की गतिविधियां

गतिविधि :–जमीन अधिकार पर बैठक ,आयोजन दिनांक :– 10.09.2015,
स्थान :– कार्यालय हरदा
स्त्रोत व्यक्ति :– रामधन षिन्दे
उददे्ष्य :– आवासीय जमीन के पट्टे मिल सके। भूमिहिन व्यक्ति दावे लगाये, मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ मिले। सीमांत किसानो को सरकारी योजनाओ का लाभ मिले।भूमि सुधार कि नितियो को बढावा मिले।
प्रतिभागियों का विवरण

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
8	29					37

परिणामः– 13 गावों के लोगो ने भाग लिया। युवाओ का खेती करने प्रति रूझान बढा। षासकीय जमीन के पर कब्जा संबंधी सभी दस्तावेजों को जमा करेगे। सरकार द्वारा जमीन संबंधी कानून बना 5 एकड जमीन गरीबो को दी जावेगी।

गतिविधि का नाम :–जमीन अधिकार

पर बैठक ,आयोजन दिनांक :– 11.09.2015,स्थान :– मोहनपूर
स्त्रोत व्यक्ति :– सुन्दर सिह जी,
उददे्ष्य :– सरकारी विभाग से छोटे किसानो को खाद बीज मिल सके, आवासीय पट्टे मिल सके, भूमिहीन दावे लगा सके।
प्रतिभागियों का विवरण

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
4	28					32

परिणामः– 3 गावों के लोगो ने भाग लिया। 56 परिवारो को आवासीय पट्टे का लाभ मिला,युवा खेती करने में रूची ले रहा है।जमीन के मुद्दे पर एकता बनाने का निर्णय लिया। गहाल व

मोहनपूर में 70 एकड जमीन भूदान

और दलित एजेन्डे के माध्यम से मिली है। दलित समाज के किसी किसान ने अपनी जमीन नही बेचने का निर्णय लिया।

चतुर्थ तिमाही (अक्टुम्बर से दिसम्बर) की गतिविधिया

गतिविधि :– भू–संवाद आयोजन दिनांक :–5 से 10 दिसम्बर,
स्थान :–ग्रामीण क्षेत्र
स्त्रोत व्यक्ति :–कार्यकर्ता
उददे्ष्य :–भूमिहिनो कि सूची तैयार हो सके, भूमिहिनों को जमीन मिल सकें, भूमिहिन लोगो जमीन जानकारी तैयार हो, महिलाओ को जमीन में मालिकाना हक मिले। महिला हिंसा विरोधी कानूनों की जानकारी दि गयी।
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
3	5					8

परिणाम :– समुदाय को जमीन के मुद्दे पर समझ बनी,दलित एवं महिला हिंसा विरोधी कानूनो का प्रचार किया गया। दो प्रकरण ऐसे निकल कर आये जिसमे पट्टा है पर कब्जा नही है। दलिज समाज ने 30 से 40 साल पहले जमीन खरीदी पर उस जमीन कि बेचने वाले रजिस्ट्री नही कर रहे

हैं। ग्राम गहाल और मोहनपूर 70एकड जमीन दलित अजेण्डे में ओर भूदान में मिली जिस पर दलित समाज का ही कब्जा है। 1023 महिला और पुरूष तक जमीन से जूडे कानूनों को पहुचाया।

गतिविधियों से सम्बंधित प्रक्रियायें :– समुदाय के लोगो ने स्वयं आवासीय जमीन के पट्टे लेकर मकान बना रहे है छोटे किसान अपनी जमीन नही बेचेगे और उसे उन्नत रोजगार गारन्टी योजना के तहत बना रहे है। नई गतिविधियों जो कि परियोजना दस्तावेज में नही है:–

भू–संबाद

द्वितीय तिमाही (अप्रेल से जून) की गतिविधियां

गतिविधि का नाम :–ग्राम स्तरिय बैठक आयोजन दिनांक :–अप्रेल से जून स्थान :– जिले के गॉव
स्त्रोत व्यक्ति :–कार्यकर्ता
उददेष्य :–ग्राम स्तर पर बैठक करना, दलित समुदाय को कानूनो कि जानकारी देना,महापुरूषो का इतिहास बताना, अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम कि जानकारी देना।

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	कुल बैठक	कुल
82	45	12	26		7	165

परिणाम :–बाबा साहेब अम्बेडकर कि जयंती समुदाय ने गॉव गॉव मनाई,हरदा अम्बेडकर जयंती पर समुदाय के लोगो ने भाग लिया,समाज को कानूनों कि जानकारी । दो प्रकरण पर अजाक थाने में कार्यवाही हेतू पत्र लिये गये।

गतिविधियों से सम्बंधित प्रक्रियायें :– गॉव के लोग अपने गॉव में बैठक करने लगे और किसी मुद्द कोई समस्या है तो सिधे कलेक्टर से चर्चा एवं आवेदन देने लगे।

तृतीय तिमाही (जुलाई से सितम्बर) की गतिविधियां

गतिविधि का नाम :–ग्राम मास्टर प्लान ओरियनटेसन आयोजन दिनांक :–9से 10सितम्बर स्थान :–गोयल हाउस हरदा

स्त्रोत व्यक्ति :– सुन्दर सिह जी ,रामधन षिन्दे
उददे्ष्य :– जनप्रतिनिधि एवं समुदाय को ग्राम विकास योजना कि जानकारी हो। समुदाय ग्राम मास्टर को जानन और तैयार करने प्रक्रिया को समझे, ग्राम सभा के महत्व को समझे और ग्राम विकास में सब की भागीदारी हो ।
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
6	29			3	13	35

परिणाम:– समुदाय के 35 व्यक्तियो ने भाग लिया,15 गॉवो में ग्राम मास्टर प्लान तैयार करने का निर्णय लिया गया। पंचायत से जुडे सम्पूर्ण कानूनों कि जानकारी समुदाय को दि गयी। 31 युवा पंचायत प्रेरक बन कर रोजगार से लगे। 71 गॉवों में 1349 ष्षौचालयो का निर्माण हुआ।
ष्

गतिविधि की फोटो– रामधन ग्राम मास्टर प्लान के संबंध में समझाते हुए।
गतिविधियों से सम्बंधित प्रक्रियायें :– युवा नेट से गॉव का मास्टर प्लान निकाल कर विकास कार्य कि मानीटिरिंग कर रहे है।

तृतीय तिमाही की गतिविधियां :–

गतिविधि :– हरदा में आपरेषन मल्ययुद्व ,आयोजन दिनांक :–जुलाई से निरन्तर
स्थान :–हरदा

स्त्रोत व्यक्ति :–जिला पंचायत सी.ई.ओ

उददे्ष्य :–हरदा जिले में सभी परिवारों के घरों में ष्षौचालय बनवान, अभियान में काम करने के लिए योग्य व्यक्तियों का चयन,

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल

2	19					21

परिणाम :–अभियान से जूडे 21 लोगो को जिला पंचायत में प्रेरक के रूप में रखा ,अभियान से जूडे नमर्दा प्रसाद ने 312 व्यक्तियों को षौचालय बनाने के लिए प्रेरित किया। जिला पंचायत कि ओर से 250 रू प्रतिदिन के हिसाब से प्रोत्साहन राषि भी दि गयी।

चतुर्थ तिमाही (अक्टुम्बर से दिसम्बर) की गतिविधियां

गतिविधि का नाम :– ग्राम स्तरीय बैठक व सम्पर्क आयोजन दिनांक :– अक्टूबर से दिस.2015 ,स्थान : गॉव स्तर पर

स्त्रोत व्यक्ति :–अर्जुन,रामधन,ज्योति
उददे्ष्य :–योजना संबंधी कानूनो कि जानकारी देना, युवाओ को रोजगार अैर षासकीय नौकरी के प्रति जागरूक करना।

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	कुल बैठक	कुल
116	189	64	66	4	30	439

परिणाम :–बैठक में 439 व्यक्ति ष्षामिल हुए, समस्याओ एवं उपब्धियो पर विचार किया गया। आगे कि रणनीति बनाई गयी। स्वरोजगार संबंधी प्रेरित हुए।

<u>द्वितीय तिमाही अप्रेल से जून तक की गतिविधियां</u> :–

गतिविधि का नाम :–महिला और किषोरी मंडल कि बैठक,आयोजन दिनांक :– मार्च 2015
स्थान :– स्थानिय छात्रवास और गॉव
स्त्रोत व्यक्ति :–कार्यकर्ता
उददे्ष्य :–किषोरी बालिका अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो,किषोरी मंडल जागरूक हो,महिला हिंसा के प्रकरण चिन्हित करना, 14 अप्रेल के कार्यक्रम कि सूचना,
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	कुल बैठक	कुल
41			116		6	157

परिणाम :–किषोरी बालिकाए 14 अप्रेल के कार्यक्रम में ष्षामिल हुई। गाम चारखेडा में महिला हिंसा के प्रकरण पर कार्यवाही हुई। किषोरीयों को ष्षोर्यदल के बारे में जानकारी दी गई।

द्वितीय तिमाही (अप्रेल से जून) की गतिविधियां

गतिविधिः– स्वास्थ्य पर किषोरी प्रषिक्षण
आयोजन दिनांक :– 22.05.2015

स्थान :–कार्यालय,हरदा

स्त्रोत व्यक्ति :–कोकिला,मनीषा
उददे्ष्य :–किषोरीयो में होने वाले बदलावो कि जानकारी देना, हिंसा से जूडे कानूनो का बताना,सावित्री बाई फुले के बारे मे बताना, किषोरी समूह मजबूत करना। महत्वपूर्ण नम्बरों कि जानकारी देना,युवा अवस्था में होन वाले बदलाव के वारे में बताना।

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
3	4		24			32

परिणाम :–

1. 31 किषोरीयो ने भाग लिया। 2. स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दि गयी। 3. सावित्री बाई फुले की ,किषोरी बालिकाए स्वास्थ्य ष्और ष्षारीरिक बदलाव के प्रति जागरूक हुई

गतिविधियों से सम्बंधित प्रक्रियायें :–किषोरी बालिकाए गॉव से हरदा खिरकिया और टिमरनी उच्च षिक्षा प्राप्त करने के लिए जा रही है।

<u>द्वितीय तिमाही की गतिविधियां</u> :–

गतिविधि :– किषोरी प्रषिक्षण आयोजन
दिनांक :–24.9.2015
स्थान :–अभियान कार्या हरदा
स्त्रोत व्यक्ति :–ज्योति दमाडे,निर्भय सेजकर
उददे्ष्य :– किषोरियो में होने वाले बदलावो कि जानकारी देना, हिंसा से जूडे कानूनो का बताना,सावित्री बाई फुले के बारे मे बताना, किषोरी समूह मजबूत करना। महत्वपूर्ण नम्बरों कि जानकारी देना,युवा अवसथा में होन वाले बदलाव के वारे में बताना।
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
2	4		34			40

परिणाम :– 7 गॉव से 34 किषोरी बालिकाओ ने भाग लिया, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दि गयी। 3. सावित्री बाई फुले की ,किषोरी बालिकाए स्वास्थ्य ष्और ष्षारीरिक बदलाव के प्रति जागरूक हुई। नारीवादी सोच के बारे में बताया गया। छोटी से छोटी घटना होन पर घर बताने कि बात मानी गई। गॉव अन्य किषोरियो को जागरूक करने का निर्णय लिया गया

समुदाय स्तर पर हुयें विषेष बदलाव :–किषोरी बालिकाए छेडछाड का विरोध करने गली।
चुनौतियॉ जो कार्य के दौरान निकलकर आयी :– कक्षा 8 वी के बाद बालिकाए कक्षा 9 पास नही कर पा रही है।

तृतीय तिमाही (जुलाई से सितम्बर) की गतिविधियां

गतिविधि :–ग्राम स्तरीय बैठक व सम्पर्क आयोजन
दिनांक :– 29.09.14
स्थान : हरदा जिले गॉव
स्त्रोत व्यक्ति :–ज्योति,रामधन,अर्जुन
उददेष्य :–कबीर भजन मण्डलो को सक्रिय करना, गॉव में भजन के माध्यम से लोगो को जागरूक करना, समुदाय को बैचारिक आधार पर मजबूत करना,महिला हिंसा पर रोक लगाना,गॉव में नारी सुरक्षा समिति का निर्माक करना, नारीवादी विचारधारा मजबूत करना।
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	कुल बैठक व सम्पर्क	कुल
217	41	23	25	9	15	315

परिणाम :–
महिला मंडल को भजन हेतू ढोलक ,झांज व खजरी उपयोग हो रहा है।। महिला हिंसा एवं महिला अधिकारो पर विचार विमर्ष हो रहा है। ग्राम चारखेडा,कुडावा, महिला समूह मजबूत हो रहा है। मीरा बाई टिमरनी ब्लाक एवं लीला बाई खिरकिया कि सामाजिक वकिल के रूप पहचान बनी। रोजगार गारन्टी योजना में महिला नेतृत्व कर रही है।

गतिविधियों से सम्बंधित प्रक्रियायें :–महिला हिंसा के मामाले मे पडोस में हिंसा होन पर दखल दे कर समझााने का कार्य करने लगी।
तृतीय तिमाही की गतिविधियां :–

गतिविधि :– नारी अदालत कि बैठक,आयोजन
दिनांक :– 29.09.2015
स्थान :–कार्या. हरदा

स्त्रोत व्यक्ति :–ज्योति,रामधन
उददे्ष्य :– गॉव में नारी सहयोग केन्द्र विकसित करना, महिलाओ और युवतियो के लिए हिंसा मुक्त बातावरण बनाना,षोर्यदल से महिलाओ को जोडना,महिला हिंसा से संबंधित कानूनो कि जानकारी देना
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
19	5	1				26

परिणाम :–26 महिला व पुरूषो ने भाग लिया। महिला हिंया के विरोध बने कानूनों को जाना। नारी सहयोग केन्द्र बनाने का निर्णय लिया। महिला व किषोरी समूह मजबूत हुए।
कुछ अच्छे प्रयासो से प्राप्त दो केस स्टडी फोटोग्राफ के साथ संलग्न करें :–

नारी अदालत बैठक में ज्योति दमाडे महिलाओ से चर्चा करते हुए।
समुदाय स्तर पर हुयें विषेष बदलाव :–

चतुर्थ तिमाही (अक्टुम्बर से दिसम्बर) की गतिविधियां

गतिविधि :– महिला हिंसा विरोधी पखबाडा ,
आयोजन दिनांक :– 25 नवम्बर से 10 दिस.
स्थान :– हरदा जिले के गॉव
स्त्रोत व्यक्ति :–कार्यकर्ता
उददे्ष्य :– महिला हिंसा से जूडी जानकारी देना,गॉव में नारी सहयोग केन्द्र विकसित करना, महिलाओ और युवतियो के लिए हिंसा मुक्त बातावरण बनाना,षोर्यदल से महिलाओ को जोडना,महिला हिंसा से संबंधित कानूनो कि जानकारी देना,किषोरी बालिकाओ को स्वास्थ्य और अधिकारो के प्रति जागरूक करना,बाल विवाह के दुष्परिणामों पर चर्चा करना, पुलिस और प्रथम सुचना रिर्पोट के बारे में बताया।
प्रतिभागियों का विवरण :–
महिला हिंसा विरोधी पखबाडा 15 दिन

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	गॉव	कुल
478	52	112	81	22	15	745

महिला सम्मान समारोह

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
20	14	6	11			51

परिणाम :—कुल 559 महिला भाग लिया। महिला हिंसा के विरोध बने कानूनों को जाना। नारी सहयोग केन्द्र बनाने का निर्णय लिया।महिला व किषोरी संगठन मजबूत हुए। पुरूषो ने बताया कि हम सिा नही करेगे। महिला हिंसा से सरक्षण कानून के बारे में महिला ने जाना,डी.आई आर के बारे में महिलाओ को ज्ञान हुआ।ग्राम चारखेडा,टिमरनी,आलमपूर,हरदा के प्रकरण में कार्यवाही हुई। ग्राम धनबाडा के प्रकरण में प्रथम सूचना रिपोर्ट दज कि गयी।

द्वितीय तिमाही (अप्रेल से जून) की गतिविधियां

गतिविधि :— बच्चों कि नेतृत्व विचारषाला आयोजन

दिनांक :—4 से 7 जून

स्थान :— गौर छात्रवास

स्त्रोत व्यक्ति :— अजय सहारे,सुन्दर सिह जी,दादरे जी,देवराम माणिक

उददे्ष्य :—बाल अधिकार को समझाना,बच्चों में नेतृत्व एवं सहास आये,बच्चे विचारधारा से जूडे। बच्चों में आत्मविष्वास,सामाजिक चेतना और रचनात्मक कार्यो में रूची को बढावा मिले।

प्रतिभागियों का विवरण :—

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल

1	5	28	9			43

परिणाम :– 13 गॉव के बच्चो ने भाग लिया। बच्चों ने बाल अधिकारो को जाना, बच्चो नेतृत्व क्षमता का विकास हुआ। बच्चों अपनी बात रखना सिखे,बच्चों में आत्मविष्वास आया।

एड.सुखराम बामने बच्चो कानूनी जानकारी देते हुए अजय सहारे बच्चो को खेल खिलाते हुए

गतिविधियों से सम्बंधित प्रक्रियायें (राजनैतिक बदलाव को चिन्हाकिंत कर बतायें) :–बच्चे अपने माता पिता से दुर रह कर छात्रवास में पढाई के लि जा रहे है।

तृतीय तिमाही (जुलाई से सितम्बर) की गतिविधियां

गतिविधि :–बच्चो कि बैठक
आयोजन दिनांक :– जुलाई से सिम्तबर,
स्थान :–हरदा जिले के गॉव

स्त्रोत व्यक्ति :–कार्यकर्ता

उददे्ष्य :–स्पांसरषीप के बच्चों से चित्र बनवान,बच्चों को षिक्षा के प्रति जागरूक करना,बाल अधिकारो के बारे मे बताना, बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बननने में मदद करना,बच्चो को प्रतियोगिता परिक्षा नवोदय और उत्कृष्ट स्कूल में चयन परिक्षा के बारे जागरूक करना।

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
		88	109			197

परिणाम :–बच्चों को नये नये चित्र बनाये,2015 में सी.एम बापस नही आये,बच्चों में रचनात्मक कार्यो के प्रति लगाव हुआ,बच्चे उच्चषिक्षा हेतू जिले और राजधानी स्तर पर जा रहे हैं।
समुदाय स्तर पर हुयें विषेष बदलाव :–ग्राम नांदरा और मांगरूल के बच्चों ने अपनी समस्याओ के लिए सी.एम. हेल्पलाईन पर फोन लगाने लगे।

चतुर्थ तिमाही (अक्टुम्बर से दिसम्बर) की गतिविधियां

गतिविधियों से सम्बंधित प्रक्रियायें

1- बच्चे अन्य वर्ग के बच्चो से छुआछूत कि बात करे, 2. बच्चे समस्या पर स्कूल में बात करने लगे।

नई गतिविधियों जो कि परियोजना दस्तावेज में नही है:–
चतुर्थ तिमाही की गतिविधियां :–

गतिविधि :– भीम मंडल कि बैठक,आयोजन

दिनांक :– अक्टूबर से दिस.2015,
स्थान :–हरदा के गॉव

स्त्रोत व्यक्ति :–कार्यकर्ता
उददे्ष्य :–बच्चों को बाबा साहेब के बारे में बताना,बच्चो को उच्च षिक्षा हेतू प्रेरित करना,बाल अधिकारो को बताना,

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	कुल बैठक	कुल
		156	178		15	338

परिणाम :–338 बच्चों ने भाग लिया,बच्चे उच्च षिक्षा के लिए जिले स्तर पर जा रहे है। बच्चे अपने अधिकारो के प्रति जागरूक हो रहे है।

गतिविधि :– फैक्ट फाईडिग खण्डवा,आयोजन दिनांक :–06.11.2015 स्थान :–रूधी,खडवा

स्त्रोत व्यक्ति :–सुन्दर सिह जी,एड सुखराम बामनें,ज्योति दमाडे,अर्जुन गिनारे,लखनलाल ओसले,रामधन षिन्दे,रूखमणी झिन्झोरे

उददे्ष्य :–दोषियों पर कार्यवाही हो,प्रकरण मे गिरफतारी हो सके,दलित समाज कि सुरक्षा के पुलिस बल गॉव में तैनात हो । स्कूल से छुआछूत समाप्त हो।
घटना का विवरण– ष्षा.मा.ष्षाला रूधी मे दलित बच्चो के साथ छुआछूत होती थी। छुआछूत का दलित बच्चों के पालको ने विरोध किया। इस घटना के गॉव के दलित और गैरदलितो में मारपीट हुई।

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
2	5					7

परिणाम :–अजाक थाने कि विजिट कि गई। कार्यवाही क मांग कि गई। गॉव स्तर पर पुलिस तैनात कि गई। फरार आरोपी को गिफतजारी हुई,खंडवा कलेक्टर और पुलिस अधिक्षक को पत्र लिखा गई।
गतिविधि :– फैक्टफाईडिंग ,आयोजन दिनांक :14.12.2015
स्थान :–ग्राम धनबाडा जिला हरदा
स्त्रोत व्यक्ति :–लखनलाल ओसले,रामधन षिन्दे,अर्जुन गिनारे
उददे्ष्य :–पिडित को न्याय मिल सकते । प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज हो।
घटना का विवरण– गैर दलित किसान के खेत में से बबूल कि लकडी काटने पर गाव की बसुबाई के पुत्र पर आरोप लगा कर गाली देना जबकी बसुबाई के पुत्र ने तुलसीराम के खेत मे से पेड नही काटा।
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
	3					3

परिणाम :–एफ.आई.आर दर्ज हुई। मामले मे पुलिस ने आरोपी को गिफतार किया। समूह मजबूत हुआ।

गतिविधियों से सम्बंधित प्रक्रियायें :–

चतुर्थ तिमाही की गतिविधियां :–

गतिविधि :– सम्प्रदायिकता पर परिचर्चा

,

आयोजन दिनांक :–26 से 27 दिसम्बर,

स्थान :–हरदा मानसरोवर होटल

स्त्रोत व्यक्ति :–हारून भाई,विजयभाई,सुन्दर भाई

उददेष्य :–दलित समाज को साम्प्रदयता के दुष्पपरिणामों के बारे जानकारी हो। समाज के लोग साम्प्रदायिक ताकतों के चुन्गल में ना फसे, दलित समाज दंगे और फसाद में भागीदारी नही बने। धर्मनिरपेक्षता के बारे में अन्य समुदाय और धर्म के लोगो को जानकारी हो सके। सभी धर्म के लोगो में सदभाव विकसित हो सके।

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	युवा	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
8	52	44				104

परिणाम :–परिचर्चा में 104 युवा,महिला और पुरूषों ने भाग लिया। हरदा से षांति और अमन चाहने लोगो ने प्रदेष स्तर पर काम करने कि बात रखी,हिन्दू और मुस्लिम धर्म के लोगो सदभाव विगाडेने वाले लोगो और समूहो कि पहचान हुई।

गतिविधि :– सांस्कृतिक भजन प्रतियोगिता

दिनांक :– 9 मई 2015 स्थान :–रन्हाईकलॉ

स्त्रोत व्यक्ति :–सुन्दर सिंह जी,षोभाराम माणिक,

उददेष्य :–समूह मजबूत हो सके,समूह के लिए कोष का निर्माण हो,समुदय बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करें। समूह में स्थाईत्वता आवे, बाबा साहेब के विचारो को गीतों माध्यम से प्रचार हो सके।।

प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
23	230	156				409

परिणाम :–

1. 14000 रू सामाजिक कोष जमा किया 2. अत्याचारो का विरोध करने के लिए समुदाय तैयार हुआ 3. 409 व्यक्तियो को बाबा साहेब के विचारो से जोडा 4. सावित्री बाई फुले,बाबा साहेब,ज्योतिवा फुले के जीवन पर गीत प्रस्तुत हुए। अगामी दिनो महापुरषो के जीवन पर कार्यक्रम करने का निर्णय लिया गया।

गतिविधि :– अम्बेडकर जयंती
दिनांक :–14 अप्रेल2015
स्थान :–हरदा अजाक्स कार्या
स्त्रोत व्यक्ति :– वासनिक साहब तहसीलदार

उददेष्य :–समूह मजबूत हो सके,,समुदय बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करें। समूह में स्थाईत्वता आवे, अत्याचारों पर रोक लगे। दलित समाज के समूह में आपस में एक हो, अलायंस मजबूत हो, दलित समाज के कर्मचारियो में एकता आवे।
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
129	322	92	32	2	3	580

परिणाम :–दलित समुदाय के सभी समूह एक मंच पर आये।अम्बेडकर विचार मंच,छात्र समूह ,महिला समूह के ने एक साथ मिलकर अम्बेडकर जयंती मनाई, अजाक्स में बाबा साहेब के विचारो को प्रसार प्रचार के पुस्तकालय खुला, भीम मण्डल कि सलोनी गार्गे ने भाषण दिये।

चतुर्थ तिमाही (अक्टुम्बर से दिसम्बर) की गतिविधियां

गतिविधि :– ज्ञापन सौपना
आयोजन दिनांक :–14.10.2015

स्थान :–हरदा
स्त्रोत व्यक्ति :–लखनलाल ओसले,एड सुखराम बामने,अर्जुन गिनारे
उददे्ष्य :–दलित समाज पर अत्याचार बंद हो,दलित पर अत्याचार करने वालों को कठोर सजा मिले,समाज में अधिकारो के प्रति जागरूकता आये। युवा समूह मजबूत हो सके।
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	युवक	युवती	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
4	33	66	38		2	143

परिणाम :–महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ष्षाहजहांपूर के हरेबा इलाके में पॉच महिलाओ को नंगा कर घुमाने कि घटना का विरोध किया। कार्यवाही के लिए पत्र भेजा।

<u>चतुर्थ तिमाही की गतिविधियां</u> :–

गतिविधि :–बाबा साहेब के परिनिर्वाणदिवस के सभा व नगर भ्रमण
,आयोजन दिनांक :–06.12.15
स्थान :–नेहरू स्टेडियम, हरदा
स्त्रोत व्यक्ति :–मनमोहन तिल्हन्ते,एड.दिनेष मालवीय,सुन्दर सिह जी
उददे्ष्य :–बाबा साहेब के विचारों को युवा आत्मसात करे। युवा सदभाव और आत्मविष्वास पैदा हो, संविधान के बारे में जान सके। युवा दलित इतिहास को समझे। युवा पढाई और जुम्मेदारी क प्रति जागरूक हो सके ।
प्रतिभागियों का विवरण :–

महिला	पुरुष	बालक	बालिका	वि. महिला	वि. पुरुष	कुल
81	54	322	227	2	4	690

परिणाम :– 690 व्यक्तियों ने भाग लिया,बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का निर्णय लिया गया। छुआछूत मिटाने का संकल्प लिया गया।

दलित अधिकार अभियान के परिणाम :–

- 15 गॉवों के 35 प्रतिभागियों ने ग्राम स्तर का मास्टर प्लान बनाने में निपुणता हासिल की।

- 10 पंचायतों में समुदाय के लोगों ने कानून संबंधी समझ विकसित हुई।
- पंचायतों में 31 युवाओं को प्रेरक के रूप में रोजगार मिला।
- 71 गॉवों में 1349 शौचालयों का निर्माण हुआ।
- पेंशन योजना से 9 महिलाओं और 12 पुरूषों को जोड़ा गया।
- सामाजिक–सुरक्षा के अन्तर्गत 4 महिलाओं को विधवा पेंषन के अन्तर्गत जोड़ा गया।
- 75 पुरूष परिवार व 6 महिला परिवार का नाम गरीबी रेखा में जुड़ा।
- 17 स्कूलों में जाति के आधार पर अस्पृष्यता की प्रथा को समाप्त किया।
- 15 स्कूलों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था हुई।
- शाला विकास समिति 19 स्कूलों में सक्रिय रूप से काम करने लगी। जिसमें 56 महिलायें व 86 पुरूष है।
- 21 महिला समूहों का निर्माण हुआ।
- 65 किषोरियों में स्वास्थ्य व शारीरिक परिवर्तन के बारे में समझ विकसित हुई।
- 60 गॉव की 356 महिलाऍ महिला हिंसा से संबंधित कार्यवाही करने में सक्षम हुई।
- 40 स्कूलों के बच्चों में बाल–अधिकार और नेतृत्व क्षमता विकसित हुई।

म.प्र. जन अभियान परिषद :

म.प्र. जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था के रूप में प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल द्वारा संस्था के कार्यक्षेत्र भीमपुर विकासखण्ड के 10 ग्रामों – खाटापानी, लक्कड़जाम, सिंगारचावड़ी, बूचाखेड़ा, मानकदण्ड, आदर्ष पिपरिया, कुटंगा, भाण्डवा, करंजीडोल एवं डढारी में विकासखण्ड समन्वयक (जन अभियान परिषद) के साथ मिलकर संबंधित ग्रामों की ग्राम विकास प्रस्फुअन समितियों के साथ निम्नलिखित गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण समुदाय को छोटे छोटे समन्वित प्रयासों के माध्यम से बेहतर की ओर प्रोत्साहित करने का प्रयास किया गया।

जल संरक्षण अभियान, एच.आई.वी. एड्स जागरूकता कार्यक्रम, पूर्ण नषा मुक्ति ग्राम हेतु जागरूकता कार्यक्रम, जल संरक्षण हेतु लघु आर.एन.एस. संरचनाओं के निर्माण का 1 दिवसीय प्रषिक्षण, कचरे के खाद बनाने एवं इकाई निर्माण प्रषिक्षण, बायो / गोबर गैस संयंत्रों की स्थापना हेतु प्रषिक्षण, स्कूल चले हम अभियान, प्रस्तावित भ्रमण बैठके एवं श्रमदान, विकासखण्ड स्तरीय

मासिक बैठकों में उपस्थिति, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण हेतु लघु संरचनाओं का निर्माण गैर पारम्परिक ऊर्जा से चलने वाले उपकरणों का प्रषिक्षण, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की प्रक्रिया, स्वच्छता अभियान, सामुदायिक बचत को बढ़ावा देने, भूमि अधिकार हेतु जन जागरूकता, कुपोषित बच्चें एवं महिलाओं की पहचान, शासकीय योजनाओं से लाभ, नदी संरक्षण कार्यक्रम, अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस, आओ बनाये अपना मध्यप्रदेष, अभियान के अंतर्गत नव निर्धारित विषयों पर सहभागिता और कार्य, पौधा रोपण कार्यक्रम।

परिणाम :–

- 10 गॉवों की प्रस्फुटन समितियॉ गठित की गई।
- 10 गॉवों के 70 लोगों को नषा मुक्त किया गया।
- 15 जल संरक्षण हेतु लघु आर.एन.एस. संरचनाओं का निर्माण किया गया।

चाईल्ड राईट्स आब्जर्वेटरी मध्यप्रदेष :

चाइल्ड राइट्स ऑब्जर्वेटरी म.प्र. के प्रायोजन में प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल द्वारा बच्चों के साथ **कार्पोरल पनिषमेंट, चाइल्ड मैरिज एवं बच्चों के विरूद्ध हिंसा, बाल श्रम पर रोक लगाना, बाल हिंसा पर रोक** लगाना, बच्चों के अनिवार्य षिक्षा के प्रयास, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, बाल विवाह निषेध जागरूकता, आंगनबाड़ी में बच्चों की निगरानी व केन्द्रों में सतत् निरीक्षण, बच्चों के अधिकारों के प्रति बच्चों एवं पालकों के साथ बैठक, बाल पंचायतों का गठन, बाल पत्रकारिता, बच्चों के अधिकारों पर पुस्तक का विमोचन विषय पर समन्वित बैठक ''मीटिंग'' के माध्यम से चर्चा का आयोजन किया गया ।

परिणामः–

- 56 शालाओं में बाल पंचायतों का गठन किया गया।
- 20 ग्रामों में बाल विवाह संबंधी जानकारी का प्रचार–प्रसार किया गया।
- बच्चों एवं पालकों को अनिवार्य षिक्षा एवं स्वास्थ्य स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

प्रमोद कुमार नाईक

सचिव

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल